**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1126**

**जिसका उत्तर 08 फरवरी, 2024 को दिया जाना है।**

**.....**

**वाटरग्रिड परियोजना**

**1126. श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार देश के शुष्क क्षेत्रों में वाटरग्रिड परियोजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रत्येक परियोजना के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत/खर्च की गई है?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)**

**(क) और (ख):** अंतरबेसिन जल अंतरण के लिए वर्ष 1980 में तैयार की गई राष्ट्रीय परिपे्रक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने व्यवहार्यता रिपोर्टें तैयार करने के लिए 30 लिंकों (प्रायद्वीपीय घटक के अंतर्गत 16 और हिमालयी घटक के अंतर्गत 14) की पहचान की है। इन 30 चिन्हित लिंक परियोजनाओं में से सभी 30 लिंकों की पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्टें (पीएफआर), 24 लिंकों की व्यवहार्यता रिपोर्टें (एफआरएस) और 11 लिंकों की विस्तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) पूरी कर ली गई हैं। नदियों की इंटरलिंकिंग (आईएलआर) कार्यक्रम के अंतर्गत नदियों के अंतर्राज्यीय इंटरलिंकिंग संबंधी प्रस्तावों का ब्यौरा और मौजूदा स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

सरकार, परामर्शी पद्धति से नदियों की इंटरलिंकिंग (आईएलआर) कार्यक्रम का अनुसरण कर रही है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करती रही है। नदियों के इंटरलिंकिंग संबंधी कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सितम्बर, 2014 में नदियों की इंटरलिंकिंग संबंधी एक विशेष समिति का गठन किया गया है। इस विशेष समिति की अब तक 21 बैठकें हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, नदियों की इंटरलिंकिंग संबंधी कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यों में तेजी लाने के लिए अप्रैल, 2015 में एक टास्कफोर्स का भी गठन किया गया था और अब तक इस टास्कफोर्स की 18 बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में राज्यों का व्यापक प्रतिनिधित्व और सक्रिय भागीदारी रही है। नदियों की इंटरलिंकिंग संबंधी परियोजनाओं का कार्यान्वयन पक्षकार राज्यों पर सर्वसम्मति बनाने पर निर्भर करता है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) प्रथम आईएलआर परियोजना है जिसका कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों और भारत सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद, इस परियोजना को भारत सरकार द्वारा दिसंबर, 2021 में 44,605 करोड़ रुपये (वर्ष 2020-21 मूल्य स्तर पर) की अनुमानित लागत पर कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दी गई थी, जिसमें 39,317 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता भी शामिल थी। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, केबीएलपी के कार्यान्वयन के लिए किया गया बजट आवंटन 4,642.03 करोड़ रुपये था, जबकि किया गया व्यय 4,639.46 करोड़ रुपये था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, परियोजना के लिए 1,400 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया था, जबकि किए गए केंद्रीय अनुदान में से व्यय 622.43 करोड़ रुपये था। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, परियोजना के लिए किए गए 3,500 करोड़ रुपये के बजट आवंटन में से, अब तक 1459.97 करोड़ रुपये की केंद्रीय अनुदान राशि दी जा चुकी है।

****

**अनुलग्नक**

**"वाटरग्रिड परियोजना" के संबंध में दिनांक 08.02.2024 को लोक सभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 1126 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

**एनपीपी के अंतर्गत नदियों की इंटरलिंकिंग संबंधी परियोजनाओं का ब्यौरा और मौजूदा स्थिति**

**प्रायद्वीपीय घटक**

| क्र.सं. | नाम | लाभान्वित राज्य | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1 | क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक | आंध्र प्रदेश (एपी) और ओडिशा | एफआर पूर्ण |
| | ख. वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - ऋषिकुल्या - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक | आंध्र प्रदेश और ओडिशा | एफआर पूर्ण |
| 2 | गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक | आंध्र प्रदेश | एफआर पूर्ण |
| 3 | क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक | तेलंगाना | एफआर पूर्ण |
| | ख) वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक * | तेलंगाना | डीपीआर पूर्ण |
| 4 | गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक | तेलंगाना और आंध्र प्रदेश | डीपीआर पूर्ण |
| 5 | क) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक | आंध्र प्रदेश | एफआर पूर्ण |
| | ख) वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमसिला) लिंक * | आंध्र प्रदेश | डीपीआर पूर्ण |
| 6 | कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक | आंध्र प्रदेश | मसौदा डीपीआर पूर्ण |
| 7 | कृष्णा (अलमट्टी) - पेन्नार लिंक | आंध्र प्रदेश और कर्नाटक | मसौदा डीपीआर पूर्ण |
| 8 | क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक | आंध्र प्रदेश, तमिल नाडु और पुद्दुचेरी | एफआर पूर्ण |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक * | आंध्र प्रदेश, तमिल नाडु और पुद्दुचेरी | डीपीआर पूर्ण |
| 9 | कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडर लिंक | तमिल नाडु | डीपीआर पूर्ण |
| 10 | क) पार्बती-कालीसिंध - चंबल लिंक | मध्य प्रदेश (एमपी) और राजस्थान | एफआर पूर्ण |
| | ख) संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत) | एमपी और राजस्थान | मसौदा पीएफआर पूर्ण |
| 11 | दमनगंगा - पिस्सू लिंक (यूएस प्रति डीपीआर) | महाराष्ट्र (केवल मुम्बई के लिए जलापूर्ति) | डीपीआर पूर्ण |
| 12 | पार-लेकिन-नर्मदा लिंक (डीपीआर के अनुसार) | गुजरात और महाराष्ट्र | डीपीआर पूर्ण |
| 13 | केन-बेतवा लिंक | उत्तर प्रदेश (यूपी) और मध्य प्रदेश | डीपीआर पूर्ण और परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है |
| 14 | पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक | तमिलनाडु और केरल | एफआर पूर्ण |
| 15 | बेदती - वरदा लिंक | कर्नाटक | डीपीआर पूर्ण |
| 16 | नेत्रवती - हेमवती लिंक** | कर्नाटक | पीएफआर पूर्ण |

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर लंबित सहमति के कारण गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया था और गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं की डीपीआर पूरी की गई थी। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार की गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

** आगे के अध्ययन शुरू नहीं किए गए हैं क्योंकि कर्नाटक सरकार द्वारा यट्टीनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद, इस लिंक के माध्यम से नेत्रावती बेसिन में जल के डायवर्जन के लिए कोई अधिशेष पानी उपलब्ध नहीं है।

## हिमालयी घटक

| क्र.सं. | लिंक का नाम | देश/लाभान्वित राज्य | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1. | कोसी-मेची लिंक | बिहार और नेपाल | पीएफआर पूर्ण |
| 2. | कोसी-घाघरा लिंक | बिहार, यूपी और नेपाल | एफआर पूर्ण |
| 3. | गंडक - गंगा लिंक | यूपी और नेपाल | एफआर पूर्ण (भारतीय भाग) |
| 4. | घाघरा-यमुना लिंक | यूपी और नेपाल | एफआर पूर्ण (भारतीय भाग) |
| 5. | सारदा-यमुना लिंक | यूपी और उत्तराखंड | एफआर पूर्ण |
| 6. | यमुना-राजस्थान लिंक | हरियाणा और राजस्थान | एफआर पूर्ण |
| 7. | राजस्थान-साबरमती लिंक | राजस्थान और गुजरात | एफआर पूर्ण |
| 8. | चुनार-सोन बैराज लिंक | बिहार और उत्तर प्रदेश | पीएफआर पूर्ण |
| 9. | सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियाँ | बिहार और झारखंड | पीएफआर पूर्ण |
| 10. | मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक | असम, पश्चिम बंगाल (पश्चिम बंगाल) और बिहार | एफआर पूर्ण |
| 11. | जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प) | असम, पश्चिम बंगाल और बिहार | पीएफआर पूर्ण (प्रस्ताव वापिस ले लिया गया है) |
| 12. | फरक्का-सुंदरबन लिंक | पश्चिम बंगाल | एफआर पूर्ण |
| 13. | गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक | पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड | एफआर पूर्ण |
| 14. | सुवर्णरेखा-महानदी लिंक | पश्चिम बंगाल और ओडिशा | एफआर पूर्ण |

*****